erox Copy 3

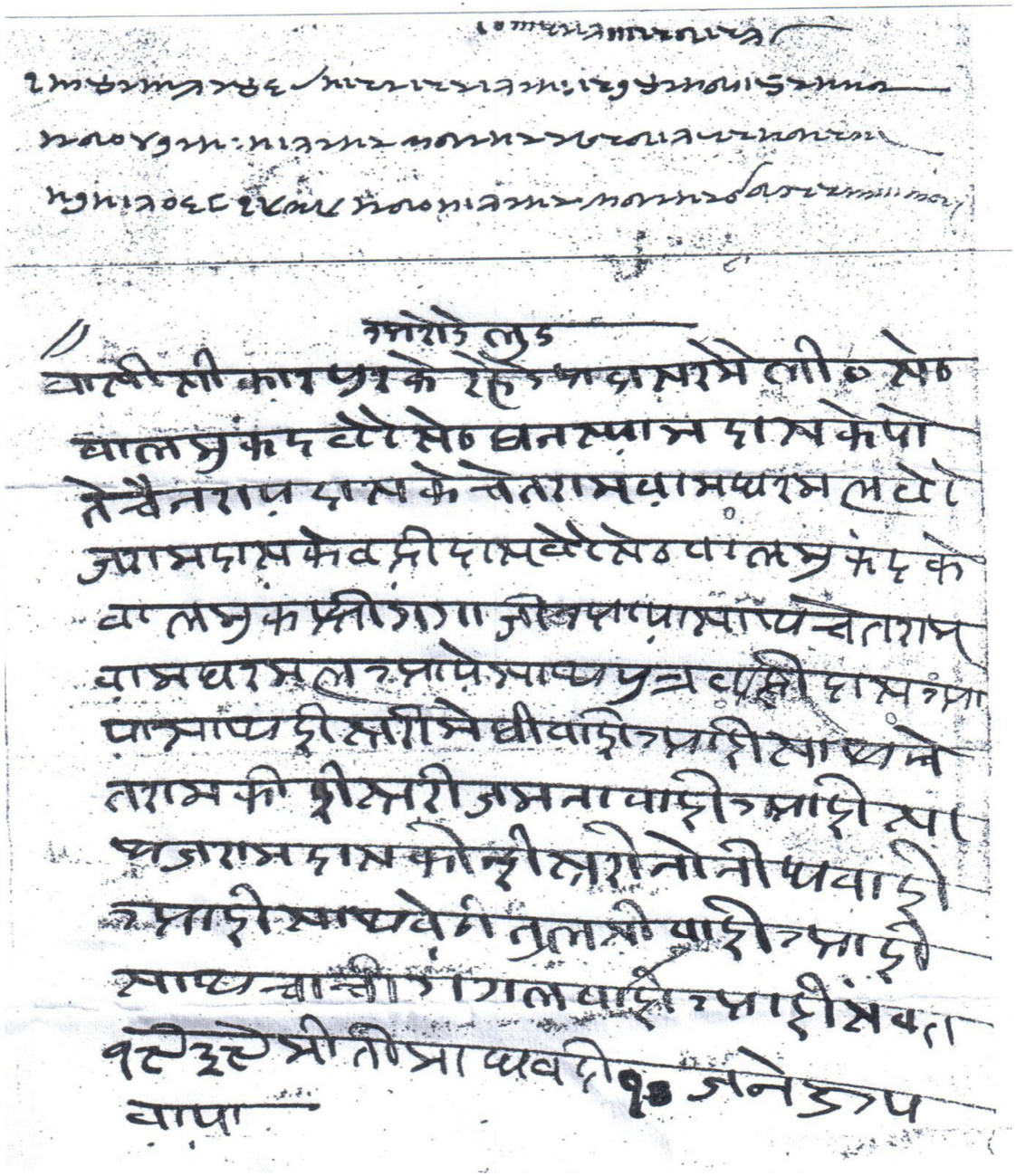

C.Y. 1883

Note 3 :

This writing proves the year of death of Shri Ghanshyamdas the son of Sami Chainrai in the Christian Year – 1883 (S. Y. 1939).

Shri Manghanmal Jairamdas had gone with his relatives to Haridwar immediately after the death of Shri Ghamshyamdas Chainrai Lund to perform certain rites.

सिंधी हटवाणकी लिपि में श्री. मंघनमल की कलम से

जोग सिरी, रामजी सहायता कंदा।
अखर, ईहे लिखी डिना मिश्र सालगराम–बालमुकंद चिरंजीव चेतराम, मंघणमल, बदरीमल लुंड, पूज घनशामदासजी हड्डी पायण आयासे, मिती माघ बड़ी 10 संवत 1939 (क्रिश्चियन वर्ष–1883) चिरंजीव मंघनमल पूज जयराम दासाणी

Hindi writing of priest in Haridwar.

वासी शिकारपूर के, रहैं अमृतसर में ली सेठ बालमुकन्द बेटे सेठ घनश्याम दास जी के: पौत्रे श्री चैनराय जी के: चेतराम व मघनमल बेटे श्री जयरामदास जी के, बालमुकन्द जी श्री गंगाजी आये साथ में चेतरामजी व मघनमल जी आये साथ पुत्र बद्रीदासजी आये साथ स्त्री मेंधीबाई आयी साथ चेतराम जी और जमनाबाई आयी साथ जयराम दास की स्त्री नोनीध बाई जी आयी साथ बेटी तुलसी बाई साथ चाची श्रीमती गगल बाई आयी सम्वत १९३९(1939) मिती (तिथी) माघवदी (कृष्ण पक्ष) तिथी १० (दशमी)